

॥ पद ॥ सारोरे ॥ प्यारोलागतहेसांई ॥ अषंड ॥ १ ॥ धुमार
॥ १ ॥ चेतनबुलसंगेवेलीयेहो ॥ होमेरेप्यारेरे
॥ ८७ ॥ ॥ वेलीयेफागवसंत ॥ चेतनबुलसंगेवेलीयेहो
१ ॥ थावरजंगमवीश्वचराचर ॥ अनुसुतएक
रसतारबलज्यो ॥ एसेप्रभुसतगुरुएकधीन
मेरे ॥ मिलविनीसेनीरधार ॥ चेतन ॥ २ ॥ पृथ्वीते
जपबंननभयांनी ॥ पंचतत्वगुणवीतबलज्यो
पोचपचीसप्रकृतीईडीदश ॥ अंतसकरणसही
त ॥ चेतन ॥ ३ ॥ जुगपरपंचपतंगकीयोरंग ॥ अ
बीलअसतअहंकारबलज्यो ॥ कर्मअनेककुम
कुमकेसर ॥ ज्ञानपीचकारीभरडार ॥ चेतन
४ ॥ धीरजवंतधरीमंनधारण ॥ लोअनुभवनी
ओटबलज्यो ॥ घुमरगुलालनीभरीभरीमुठी
कसअवीआसीसुचोता ॥ चेतन ॥ ५ ॥ पुटेअवी
लपतंगगुलायत ॥ तबउरमीभईस्वांसबलज्यो
हासजीत्यभईहरीसाथे ॥ आणताअहंक्रतीओ
त ॥ चेतन ॥ ६ ॥ तबरीजेगुरुरायरसीकवर ॥ गां
वपरमपदहीनबलज्यो ॥ केहंकुवेरकरुणाम
येकेवल ॥ रहतसंतआधीन ॥ चेतन ॥ ७ ॥ पद ॥ २
अथरागहेलारीनुपदपारंभते ॥ संतोअलषअ
वन्यासीआयहे ॥ स्वाध्यसबुघटमांई ॥ गुरुगंम

दृष्टीयेनेजुवे ॥ आपो आप ओ लषा ॥ १ ॥ सं
 तो भाई सब परानी पास हो ॥ बोले असुर मांही
 सर असुर नी बाहार हो ॥ स्वै चैतंत घंत सोही
 संतो अलषा ॥ २ ॥ संतो भाई रे नी गम चार वीग
 त्ये करी ॥ बंसा कु सम जायानी रगु ल बंसा न्या रा
 रह्या ॥ मर्म को हुन पाया ॥ अलषनी रंजन ॥ ३ ॥
 संतो भाई रे प्रवीगत आप अरु पथी ॥ धरे रूप
 अपारा ॥ ताके अंशा अंशका उपजे संसारा ॥ अ
 लषा ॥ ४ ॥ संतो भाई रे ज कते आप अरु कहे ॥ र हो
 सकल सो हाई ॥ के हे कु वेर सो नी रषवा ॥ गंम
 गुरु ये वताई अलषा ॥ ५ ॥ पदा ॥ १ ॥ संपुर्णः ॥ ॥
 अथ गवी ली व्यते ॥ छे दुःख मो हो दुरे सर्वे ने मांथे
 मरवु ॥ अनेक उपाये रे प्रांणी न ही उगरवु ॥ १ ॥
 देवने दांन वरे ॥ मांन व माया मांणी ॥ मरण न सु
 के रे कुण राजा कुण रांणी ॥ २ ॥ अा वर जंग मरे
 जंतु तंतु जे हेने ॥ सुरपती अज लगि रे काय न
 मुके के हेने ॥ ३ ॥ सैतथी ले हे ती रे प्रांणी मंद अभा
 गी ॥ सुतीं दामां रे घोरी घु जो जागी ॥ ४ ॥ जंम जपे
 दारे सरवनी उपर सरषा ॥ घडी नव भुले रे पलक
 पलक ले परखा ॥ ५ ॥ ते डर जांणी रे प्रांणी चालो
 हक मां ॥ नसके मारी रे सदगु रुके रा पषमां ॥ ६ ॥